Literacy for a Billion

Movie: Amrapali
Year: 1966

Song: Neel Gagan Ki Chaon Mein
Lyricist: Shailendra

नील गगन की छाँव में
दिन रैन गले से मिलते हैं
दिल पंछी बन उड़ जाता है
हम खोए खोए रहते हैं
हो आ आ
हो आ आ
नील गगन की छाँव में
दिन रैन गले से मिलते हैं
दिल पँछी बन उड़ जाता हैं
हम खोए खोए रहते हैं
हो आ
जब फूल कोई मुस्काता है
प्रीतम की सुगंध आ जाती है
नस नस में भंवर सा चलता है
मदमाती जलन कलपाती है
यादों की नदी घिर आती है
हर मौज में हम तो बहते हैं
दिल पँछी बन उड़ जाता हैं
हम खोए खोए रहते हैं
हो आ आ
हो आ आ

नील गगन की छाँव में
दिन रैन गले से मिलते हैं
दिल पँछी बन उड़ जाता हैं
हम खोए खोए रहते हैं
कहता है समय का उजियारा
इक चन्द्र भी आने वाला है
इन ज्योति की प्यासी अखियन को
अखियों से पिलाने वाला है
जब पात हवा से बजते हैं
हम चौंक के राहें तकते हैं
दिल पँछी बन उड़ जाता हैं
हम खोए खोए रहते हैं
हो आ आ
हो आ आ
नील गगन की छाँव में
दिन रैन गले से मिलते हैं
दिल पँछी बन उड़ जाता हैं
हम खोए खोए रहते हैं
हो आ आ
हो आ आ

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.